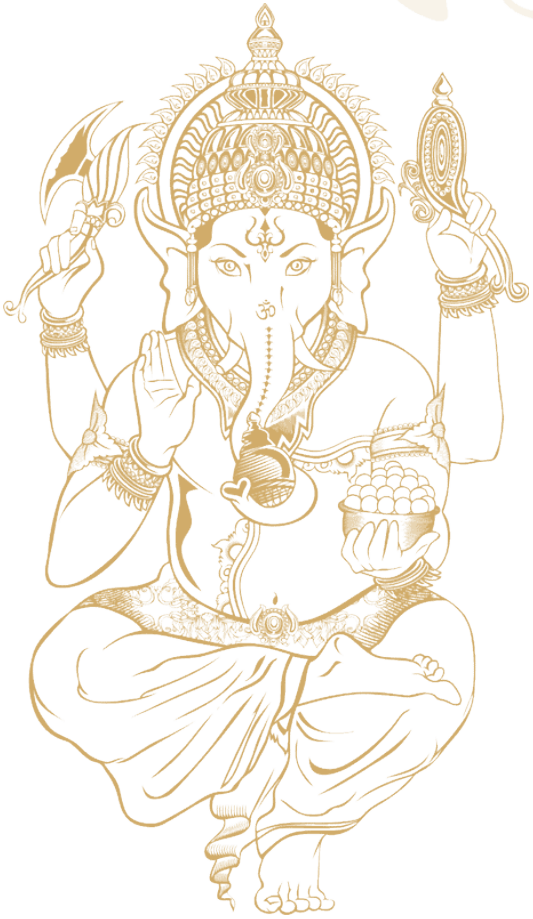

???? ???????

25 Apr 2010

09:25 AM

Howrah

Model: web-freekundliweb

Order No: 121147803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/04/2010**
दिन	रविवार
जन्म समय	**09:25:00 घंटे**
इष्ट	10:39:53 घटी
स्थान	**Howrah**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:35:00 उत्तर
रेखांश	88:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:48:20 घंटे
वेलान्तर	00:01:59 घंटे
साम्पातिक काल	00:00:35 घंटे
सूर्योदय	05:09:02 घंटे
सूर्यास्त	18:00:43 घंटे
दिनमान	12:51:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	10:50:48 मेष
लग्न के अंश	15:31:19 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:31:19	322:09:51	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	10:50:48	00:58:25	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	26:08:06	14:27:56	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
मंगल			कर्क	16:12:35	00:22:42	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	नीच राशि
बुध	व	अ	मेष	16:28:30	00:33:22	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	28:34:54	00:12:31	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			वृष	05:56:07	01:13:03	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	स्वराशि
शनि	व		कन्या	04:51:49	00:03:20	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		धनु	20:41:52	00:06:55	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	20:41:52	00:06:55	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	नीच राशि
हर्ष			मीन	04:40:40	00:02:55	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
नेप			कुंभ	04:20:11	00:01:10	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	11:19:50	00:00:33	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			मीन	06:09:24	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:19

लग्न-चलित

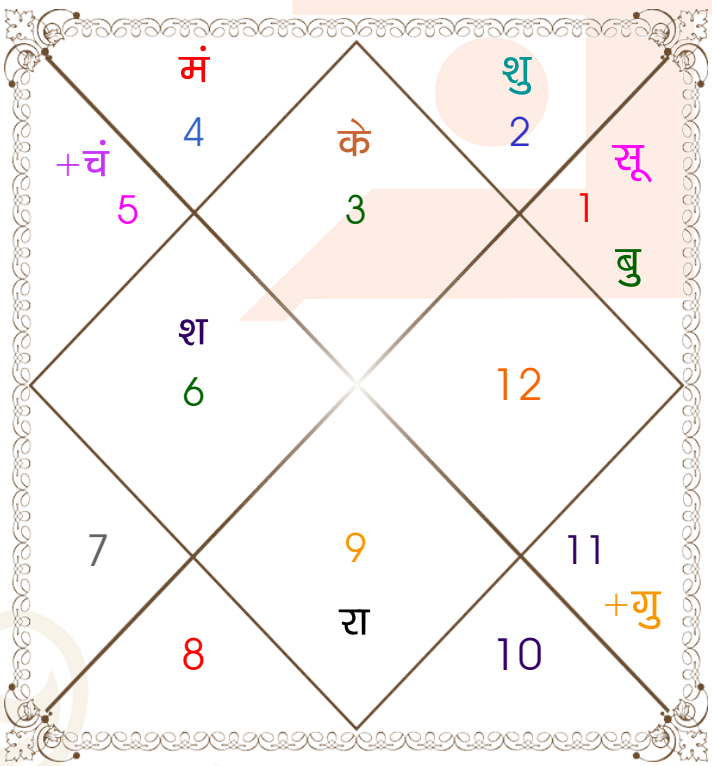

चन्द्र कुंडली

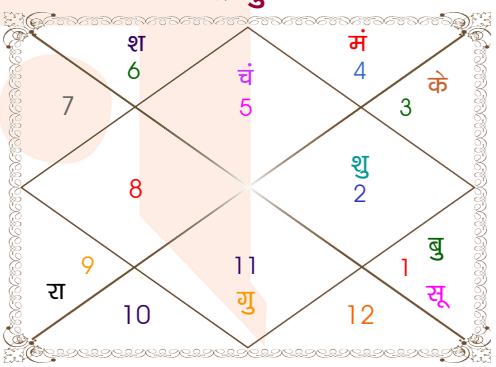

नवमांश कुंडली

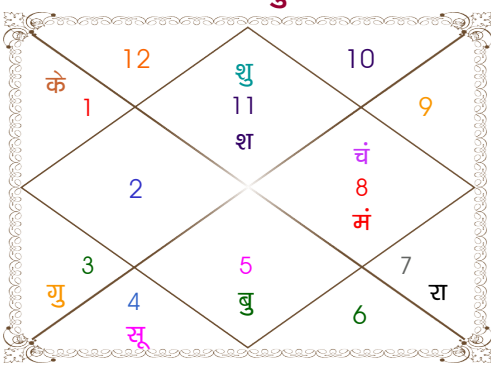

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 9 मास 17 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/04/2010		10/02/2011		10/02/2017		10/02/2027		10/02/2034	
10/02/2011		10/02/2017		10/02/2027		10/02/2034		10/02/2052	
00/00/0000	सूर्य	31/05/2011	चंद्र	11/12/2017	मंगल	09/07/2027	राहु	23/10/2036
00/00/0000	चंद्र	29/11/2011	मंगल	12/07/2018	राहु	27/07/2028	गुरु	19/03/2039
00/00/0000	मंगल	05/04/2012	राहु	11/01/2020	गुरु	03/07/2029	शनि	23/01/2042
00/00/0000	राहु	28/02/2013	गुरु	12/05/2021	शनि	12/08/2030	बुध	11/08/2044
00/00/0000	गुरु	17/12/2013	शनि	11/12/2022	बुध	09/08/2031	केतु	30/08/2045
00/00/0000	शनि	29/11/2014	बुध	12/05/2024	केतु	05/01/2032	शुक्र	29/08/2048
00/00/0000	बुध	06/10/2015	केतु	11/12/2024	शुक्र	06/03/2033	सूर्य	24/07/2049
25/04/2010	केतु	10/02/2016	शुक्र	12/08/2026	सूर्य	12/07/2033	चंद्र	23/01/2051
केतु 10/02/2011	शुक्र	10/02/2017	सूर्य	10/02/2027	चंद्र	10/02/2034	मंगल	10/02/2052

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/02/2052		10/02/2068		10/02/2087		11/02/2104		11/02/2111	
10/02/2068		10/02/2087		11/02/2104		11/02/2111		26/04/2130	
गुरु	31/03/2054	शनि	13/02/2071	बुध	09/07/2089	केतु	10/07/2104	शुक्र	13/06/2114
शनि	11/10/2056	बुध	23/10/2073	केतु	06/07/2090	शुक्र	09/09/2105	सूर्य	13/06/2115
बुध	17/01/2059	केतु	02/12/2074	शुक्र	06/05/2093	सूर्य	15/01/2106	चंद्र	11/02/2117
केतु	24/12/2059	शुक्र	01/02/2078	सूर्य	12/03/2094	चंद्र	16/08/2106	मंगल	13/04/2118
शुक्र	24/08/2062	सूर्य	14/01/2079	चंद्र	12/08/2095	मंगल	12/01/2107	राहु	13/04/2121
सूर्य	12/06/2063	चंद्र	14/08/2080	मंगल	08/08/2096	राहु	30/01/2108	गुरु	13/12/2123
चंद्र	11/10/2064	मंगल	23/09/2081	राहु	25/02/2099	गुरु	05/01/2109	शनि	11/02/2127
मंगल	17/09/2065	राहु	30/07/2084	गुरु	03/06/2101	शनि	14/02/2110	बुध	12/12/2129
राहु	10/02/2068	गुरु	10/02/2087	शनि	11/02/2104	बुध	11/02/2111	केतु	26/04/2130

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 9 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।